

# प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 45

अंक 1

जनवरी 2021

## इस अंक में

संवाद

लेख

|    |                                                                                                                              |                    |    |
|----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|----|
| 1  | कहानी अध्ययन-अध्यापन में चयन, नैतिक मूल्य एवं शिक्षा का द्वंद्व                                                              | ऋतु बाला           | 7  |
| 2  | शिक्षा<br>चॉक एंड डस्टर के इर्द-गिर्द                                                                                        | पवन सिन्हा         | 14 |
| 3  | आधारभूत साक्षरता का घटक 'पढ़ना'<br>सृजन एवं संवर्धन                                                                          | संध्या संगई        | 22 |
| 4  | राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा<br>गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों का तुलनात्मक अध्ययन | अमित कुमार दवे     | 30 |
| 5  | राष्ट्रीय शिक्षा नीति की बहुभाषावादी पहल                                                                                     | रितिका             | 41 |
| 6  | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय भाषाओं,<br>कला और संस्कृति का संवर्धन                                  | नरेश कुमार         | 47 |
| 7  | चकई की चकदुम                                                                                                                 | सुरेश कुमार मिश्रा | 57 |
| 8  | पुस्तकालय<br>विद्यालय का शैक्षणिक केंद्र                                                                                     | मूर्तिमती सामंतराय | 63 |
| 9  | कोविड-19 महामारी में पुस्तकालय की बदलती भूमिका                                                                               | पूजा जैन           | 72 |
| 10 | सामान्य अध्ययन द्वारा प्राथमिक स्तर के बच्चों में संवाद, समझ<br>और सामर्थ्य का विकास                                         | आनंद कुमार मिश्र   | 79 |

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी  
NCERT

विद्या से अमरत्व  
प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान  
और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य  
के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं—

- (i) अनुसंधान और विकास,  
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।

यह डिजाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर जिले में  
मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व

तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के  
आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य ईशावास्य उपनिषद् से  
लिया गया है जिसका अर्थ है—  
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

|                          |                                                                                                      |                            |     |
|--------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------|-----|
| 11                       | उत्तराखंड के प्राथमिक स्तर के छात्रों की संज्ञानात्मक क्षमताओं पर अबेकस सीखने के प्रभाव का एक अध्ययन | अवनीश उनियाल<br>सुदीप जोशी | 87  |
| 12                       | अवधारणा मानचित्रण द्वारा प्राथमिक स्तर पर पर्यावरणीय अध्ययन का शिक्षण-अधिगम तथा आकलन                 | अंजुली सुहाने              | 93  |
| 13                       | शिक्षा की भारतीय दृष्टि                                                                              | उषा शर्मा                  | 105 |
| 14                       | बहु-सांस्कृतिक समाज का विद्यालयों पर प्रभाव.                                                         | विश्वास                    | 111 |
| <b>विशेष</b>             |                                                                                                      |                            |     |
| 15                       | विद्यालय में स्वास्थ्य और कल्याण                                                                     |                            | 124 |
| <b>बालमन कुछ कहता है</b> |                                                                                                      |                            |     |
| 16                       | हमारी ऑनलाइन क्लास                                                                                   | त्रीवेणी संगम              | 150 |
| <b>कविता</b>             |                                                                                                      |                            |     |
| 17                       | खेल-खेल में                                                                                          | कविता बिष्ट                | 151 |